CBSE Worksheet 01

Ch-2 बचपन

1. **बचपन** पाठ के अनुसार शनिवार के दिन लेखिका को क्या करना पड़ता था?

2. **बचपन** पाठ में लेखिका बचपन में कैसी पोशाकें पहनती थीं?

3. **बचपन** संस्मरण में अपने बचपन की बातें कौन बता रहा है?

4. उम्र बढ़ने के साथ-साथ लेखिका में क्या-क्या बदलाव हुए हैं? **बचपन** पाठ के अनुसार लिखो।

5. **बचपन** पाठ में लेखिका यह क्यों कहती है कि मैं तुम्हारी दादी भी हो सकती हूँ, तम्हारी नानी भी?

6. **बचपन** पाठ में लेखिका ने जाखू के पहाड़ों के सौंदर्य का क्या वर्णन किया?

7. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर चुनिए:-**
   तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है। यहाँ तक कि बचपन की दिलचस्पियाँ भी बदल गई हैं। याद रहे, उन दिनों कुछ घरों में ग्रामोफ़ोन थे, रेडियों और टेलिविज़न नहीं थे। हमारे बचपनकी कुलफ़ी आइसक्रीम हो गई है। कचौड़ी-समोसा पैटीज़ में बदल गया है शहतूत और फ़ाल्से और खसखस के शरबत कोक-पेप्सी में।

   i. यहाँ 'हमारे समय' कहकर किसके समय की ओर संकेत किया गया है?
   (क) महादेवी वर्मा के (ख) सुभद्रा कुमारी चौहान के
   (ग) शिव मंगल सिंह 'सुमन' के (घ) कृष्णा सोबती के

   ii. समय में दूरी होने का अर्थ है-
   (क) समय का कम हो जाना (ख) अधिक समय बीतने से बदलाव आ जाना
   (ग) अधिक समय बीतने पर भी ज्यों का त्यों रहना (घ) मौसम सुहावना हो जाना

   iii. लेखिका के बचपन में निम्नलिखित में से क्या नहीं था?
   (क) रेडियो (ख) ग्रामोफ़ोन
   (ग) टेलीविजन (घ) इनमें से कोई नहीं

   iv. आज का कोक-पेप्सी किसका बदला रूप है?
   (क) शहतूत के शरबत का (ख) फ़ाल्से के शरबत का
   (ग) खसखस के शरबत का (घ) उपर्युक्त सभी का

   v. 'बचपन' शब्द है-
   (क) विशेषण (ख) भाववाचक संज्ञा
   (ग) जातिवाचक संज्ञा (घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा

Material downloaded from myCBSEguide.com.

CBSE Worksheet 01

Ch-2 बचपन

Answer

1. शनिवार को लेखिका को ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल पीना पड़ता था।

2. लेखिका अपने बचपन में फ्रॉक, निकर-वॉकर, स्कर्ट तथा लहँगे पहना करती थीं। उनके अधिकतर कपड़े रंग-बिरंगे होते थे।

3. स्वयं लेखिका कृष्णा सोबती अपने बचपन की बातें इस संस्मरण में बता रही हैं।

4. उम्र बढ़ने के साथ-साथ लेखिका के पहनावे में भी काफी बदलाव आए। पहले वे रंग-बिरंगे कपड़े पहनती रहीं - नीला-जामुनी-ग्रे-काला-चॉकलेटी फिर वह गहरे नहीं, हलके रंग पहनने लगी। पहले वे फ्रॉक, फिर निकर-वॉकर, स्कर्ट, लहँगे, गरारे पहनती थी परंतु अब चूडीदार और घेरदार कुर्ते पहनने लगी। उम्र बढ़ने के साथ खाने में भी काफ़ी बदलाव आए।

5. लेखिका आयु में अब बहुत बड़ी हो चुकी है। उसकी आयु अब नानी व दादी कहलाने की है इसलिए वह कहती है कि मैं तुम्हारी दादी या नानी हो सकती हूँ।

6. लेखिका ने बताया जाखू के पहाड़ बहुत सुंदर थे। वहाँ एक ऊँचा चर्च था। इस चर्च में घंटियाँ बजती थीं, जो दूर-दूर तक सुनाई देती थीं। घंटियों की आवाज बहुत मधुर होती थी, जिसकी गूँज पहाड़ों में गूँजती थी। मधुर आवाज संगीत की तरह लगती। ऐसा लगता कि प्रभु यीशु इस संगीत से कुछ कह रहे हों। सूर्यास्त होने पर नीले आसमान में गुलाबी और सुनहरी धारियाँ फैल जाती थीं। धीरे-धीरे बत्तियाँ टिमटिमाने लगती थीं। रिज और माल की दुकानों में रौनक हो जाती थी।

7. i. (घ), ii. (ख), iii. (ग), iv. (घ), v. (ख)